अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2021) दिनांक : 26-08-2021

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

(जैन तत्त्व प्रवेश) प्रथम खण्ड–40

प्र. 1 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें– 20

(क) निर्जरा के भेद लिखें।

(ख) नौ तत्त्व द्वार लिखें।

(ग) आत्म द्वार तथा परमात्म द्वार लिखें।

(घ) क्षायिक भाव भेद सहित लिखें।

(ङ) दृष्टान्त द्वार के आधार पर जीव, अजीव, पुण्य-पाप को समझायें।

प्र. 2 किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर लिखें– 20

(क) हेय–ज्ञेय–उपादेय द्वार लिखें।

(ख) विस्तार द्वार में जीव के दो वर्गों तक का विस्तार लिखें।

(ग) सामान्य गुण भेद सहित लिखें।

(घ) पारिणामिक भाव के प्रकार लिखें।

(ङ) दृष्टान्त द्वार से आश्रव को समझायें।

(च) षड्द्रव्य द्वार लिखें।

कर्म प्रकृति–35

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) दर्शनावरणीय कर्म बंध के हेतु, स्थिति, लक्षण एवं कार्य लिखें।

(ख) दर्शन मोह की प्रकृतियों का कार्य एवं स्थिति लिखें।

(ग) कर्म की परिभाषा लिखें व मूल प्रकृतियों की संक्षिप्त व्याख्या करें।

(घ) स्थावर दशक की व्याख्या करें।

(ङ) बंध की सविस्तार व्याख्या करें।

(च) वेदनीय कर्म भोगने के हेतु व उसकी गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(छ) गोत्र कर्म की स्थिति, अबाधाकाल, लक्षण, कार्य, गोत्र कर्म भोगने के हेतु व गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

प्र. 4 किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) आयुष्य कर्म बंध के हेतु लिखें।

(ख) नाम कर्म के हेतु, स्थिति, लक्षण एवं कार्य लिखें।

(ग) ज्ञानावरणीय कर्म बंध के हेतु लिखें।

(घ) सातवेदनीय कर्म बन्ध के हेतु लिखें।

(ङ) नो कषाय की नौ प्रवृत्तियों के नाम अर्थ सहित लिखें।

(च) आयुष्य कर्म बंध की गुणस्थानों में अवस्थिति बतायें।

(छ) उदय, उदीरणा, संक्रमण परिभाषा सहित लिखें।

गीतिका–10

प्र. 5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) आदीश्वरजी.....कूराव रे।।

(ख) ईश्वर देव.....खावै रे।।

(ग) 'सगर को कर्म का फल कैसा प्राप्त हुआ?' वह पद्य अर्थ सहित लिखें।

(घ) 'चंदनबाला के साथ कर्म ने कैसी चाल की?' वह पद्य अर्थ सहित लिखें।

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 2

(क) उस राजा का नाम बतायें जिसकी उसी के पुत्र ने उसकी मुसकें बांध दी थी?

(ख) चन्द्रमा के पास कितनी कलाएँ हैं?

(ग) राजा चन्द किस नगरी का राजा था?

(घ) चक्रवर्ती सनत्कुमार को कर्मों का कैसा उदय प्राप्त हुआ?

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान–15

प्र. 7 आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें (प्रत्येक वर्ग में से कोई दो अवश्य करें।)– 12

पच्चीस बोल–

(क) उन्नीसवाँ बोल लिखें।

(ख) पच्चीसवाँ बोल लिखें।

(ग) सातवाँ बोल लिखें।

पच्चीस बोल की चर्चा–

(घ) तीन गति किसमें व कौन सी?

(ङ) सात योग किसमें व कौन से?

(च) तीन चारित्र किसमें व कौन से?

पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–

(छ) किस आत्मा के जीव कम, किस आत्मा के जीव अधिक?

(ज) इन्द्रिय किस कर्म का उदय?

(झ) गुणस्थान किस कर्म का उदय?

तत्त्व चर्चा– (तत्त्व दीपिका)

(ञ) पुण्य और धर्म एक या दो?

(ट) धर्म और धर्मी एक या दो?

(ठ) तुम्हारे में ध्यान कितने?

प्र. 8 कोई एक पद्य लिखें– 3

(क) सरधा.....पाई रे।।

(ख) समकित.....लिगार।।